CHETANA
International Journal of Education

Impact Factor
SJIF=5.689

Peer Reviewed/
Refereed Journal

ISSN-Print-2231-3613
Online-2455-8729

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

Received on 14th Nov. 2020, Revised on 19th Nov. 2020, Accepted 23rd Nov. 2020

शोध–पत्र

सेवारत एवं प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम का तुलनात्मक अध्ययन

* भीष्मराज, *शोधार्थी*
डॉ.अशोक सिवानी, *पी.एचडी. पर्यवेक्षक*
महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर
Email- bhishmraj72@gmail.com, Mobile-9079351271

मुख्य शब्द – *व्यावसायिक अधिगम, सेवारत, प्रशिक्षणार्थी शिक्षक आदि।*

सारांश

इस लेख में शोधार्थी ने सेवारत एवं प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के तुलनात्मक अध्ययन के बारे में लिखा है। शोधकार्य में शोधार्थी ने भरतपुर व जयपुर जिले से कुल 800 शिक्षकों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया है। 800 शिक्षकों में से 400 शिक्षक सेवारत तथा 400 शिक्षक प्रशिक्षणार्थी थे। शोधार्थी ने व्यावसायिक अधिगम से संबंधित दत्त संकलन हेतु स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है। दोनो समूहों के संकलित संभावित दत्तों के तुलनात्मक विश्लेषण हेतु टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया तथा निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि सेवारत एवं प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम में सार्थक अन्तर होता है।

समस्या उद्गम

शोधार्थी ने समस्या चयन से पूर्व कई शोधकार्य देखे जिसमें मुख्यतया Fiorentini, D. (2013) ''गणित विषय के शिक्षकों की व्यावसायिक अधिगम संबंधी समझ का अध्ययन'', Stamper, J.C. (2015) व्यावसायिक अधिगम समूहों पर शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन'', Iclal, S. and Ali, Y. (2016) ''व्यावसायिक अधिगम को रूपांतरित करने संबंधी अध्ययन'', Hafnawi, A. (2017) ''शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन'', Louws, M.L. (2017) ''शिक्षण अनुभव के सन्दर्भ में शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के उद्देश्यों के निर्धारण सम्बन्धित अध्ययन'' किया जिससे इस समस्या पर अनुसंधान कार्य करने का मानस बनाया।

उद्देश्य

- सेवारत शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम का अध्ययन करना।
- प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के अध्ययन करना।
- सेवारत एवं प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम की तुलना करना।

परिकल्पना

- सेवारत एवं प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अनुसंधान में प्रयुक्त विधि, उपकरण एवं प्रविधि

- प्रस्तुत शोध में शोध की प्रकृति को देखते हुए शोधार्थी ने सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया था।
- प्रस्तुत शोधकार्य में शोधार्थी द्वारा दत्त संकलन के लिए स्वनिर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया था।
- आँकड़ो का विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन एवं टी परीक्षण का प्रयोग किया गया है।
- शोधार्थी ने भरतपुर व जयपुर जिले से कुल 800 शिक्षकों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया है। 800 शिक्षकों में से 400 शिक्षक सेवारत तथा 400 शिक्षक प्रशिक्षणार्थी थे।

सारणीयन एवं परिणाम

सारणी संख्या –1

सेवारत शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम का प्रतिशत मध्यमान के आधार पर विश्लेषण

क्र.सं.	व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र	प्रतिशत मध्यमान	
		सेवारत शिक्षक	वरीयता क्रम
1.	छात्र परिणामों पर ध्यान केंद्रित कर	65.9	III
2.	शिक्षण पर अत्यधिक अभ्यास कर	62.6	V
3.	सहयोगात्मक रवैया	65.7	IV
4.	प्रभावी शिक्षण और सीखने पर सर्वोत्तम उपलब्ध अनुसंधान द्वारा सूचना प्राप्त कर	75.0	I
5.	साक्ष्य आधारित और डेटा सुधार और प्रभाव को मापकर	73.7	II

क्षेत्रवार विश्लेषण

1. सेवारत शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र **छात्र परिणामों पर ध्यान केंद्रित कर** पर प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत मध्यमान 65.9 प्राप्त हुआ।जो कि वरीयता सूची में तृतीय स्थान पर है ।

2. सेवारत शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र **शिक्षण पर अत्यधिक अभ्यास कर** पर प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत मध्यमान 62.6 प्राप्त हुआ।जो कि वरीयता सूची में पंचम स्थान पर है ।

3. सेवारत शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र **सहयोगात्मक रवैया** पर प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत मध्यमान 65.7 प्राप्त हुआ।जो कि वरीयता सूची में चतुर्थ स्थान पर है ।

4. सेवारत शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र **प्रभावी शिक्षण और सीखने पर सर्वोत्तम उपलब्ध अनुसंधान द्वारा सूचना प्राप्त कर** पर प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत मध्यमान 75.0 प्राप्त हुआ।जो कि वरीयता सूची में प्रथम स्थान पर है।

5. सेवारत शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र **साक्ष्य आधारित और डेटा सुधार और प्रभाव को मापकर** पर प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत मध्यमान 73.7 प्राप्त हुआ।जो कि वरीयता सूची में द्वितीय स्थान पर है।

सारणी संख्या –2

प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम का प्रतिशत मध्यमान के आधार पर विश्लेषण

क्र.सं.	व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र	प्रतिशत मध्यमान	
		प्रशिक्षणार्थी शिक्षक	वरीयता क्रम
1.	छात्र परिणामों पर ध्यान केंद्रित कर	64.0	III
2.	शिक्षण पर अत्यधिक अभ्यास कर	63.1	V
3.	सहयोगात्मक रवैया	63.5	IV
4.	प्रभावी शिक्षण और सीखने पर सर्वोत्तम उपलब्ध अनुसंधान द्वारा सूचना प्राप्त कर	77.1	I
5.	साक्ष्य आधारित और डेटा सुधार और प्रभाव को मापकर	68.3	II

क्षेत्रवार विश्लेषण

1. प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र **छात्र परिणामों पर ध्यान केंद्रित कर** पर प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत मध्यमान 64.0 प्राप्त हुआ।जो कि वरीयता सूची में तृतीय स्थान पर है ।

2. प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र **शिक्षण पर अत्यधिक अभ्यास कर** पर प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत मध्यमान 63.1 प्राप्त हुआ।जो कि वरीयता सूची में पंचम स्थान पर है ।

3. प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र **सहयोगात्मक रवैया** पर प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत मध्यमान 63.5 प्राप्त हुआ।जो कि वरीयता सूची में चतुर्थ स्थान पर है ।

4. प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र **प्रभावी शिक्षण और सीखने पर सर्वोत्तम उपलब्ध अनुसंधान द्वारा सूचना प्राप्त कर** पर प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत मध्यमान 77.1 प्राप्त हुआ।जो कि वरीयता सूची में प्रथम स्थान पर है।

5. प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र **साक्ष्य आधारित और डेटा सुधार और प्रभाव को मापकर** पर प्राप्त प्राप्तांको का प्रतिशत मध्यमान 68.3 प्राप्त हुआ। जो कि वरीयता सूची में द्वितीय स्थान पर है।

सारणी संख्या – 3

सेवारत एवं प्रशिक्षणार्थी शिक्षकों के व्यावसायिक अधिगम का 'टी' मान के आधार पर विश्लेषण

क्र. सं.	व्यावसायिक अधिगम के क्षेत्र	सेवारत शिक्षक		प्रशिक्षणार्थी शिक्षक		'टी' मान
		मध्यमान	प्रमाप विचलन	मध्यमान	प्रमाप विचलन	
1.	छात्र परिणामों पर ध्यान केंद्रित कर	21.8	4.7	21.2	4.7	0.87
2.	शिक्षण पर अत्यधिक अभ्यास कर	19.7	4.6	17.4	3.8	3.81**
3.	सहयोगात्मक रवैया	19.3	4.7	18.0	4.3	2.01*
4.	प्रभावी शिक्षण और सीखने पर सर्वोत्तम उपलब्ध अनुसंधान द्वारा सूचना प्राप्त कर	19.8	4.9	17.2	4.5	3.88**
5.	साक्ष्य आधारित और डेटा सुधार और प्रभाव को मापकर	18.1	4.2	16.2	4.1	3.36**

Table Value of 't' at df=798 is 0.05 = 1.96* and 0.01= 2.53**

दोनों समूहों के व्यावसायिक अधिगम पर प्राप्त मध्यमान प्राप्तांकों में अन्तर की सार्थकता हेतु प्रयुक्त 'टी' परीक्षण से परिकलित 'टी' मान की तुलना df=798 पर 'टी' के 0.01 स्तर पर टेबल मान 2.53 एवं 0.05 स्तर पर टेबल मान 1.98 से करने पर निम्न परिणाम परिलक्षित होते हैं :–

- क्षेत्र **प्रभावी शिक्षण और सीखने पर सर्वोत्तम उपलब्ध अनुसंधान द्वारा सूचना प्राप्त कर, साक्ष्य आधारित और डेटा सुधार और प्रभाव को मापकर तथा शिक्षण पर अत्यधिक अभ्यास कर** पर भी दोनों समूहों में 0.01 स्तर पर सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ है जहाँ प्राप्त 'टी' मान टेबल मान 2.63 से अधिक है अतः इन तीनों क्षेत्र के लिए दोनो समूह में सार्थक अन्तर पाया गया है।
- क्षेत्र **सहयोगात्मक रवैया** तथा **छात्र परिणामों पर ध्यान केंद्रित कर** पर भी दोनों समूहों में 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं प्राप्त हुआ है जहाँ प्राप्त 'टी' मान टेबल मान 1.98 से कम है अतः इन दोनो क्षेत्र के लिए दोनो समूह में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।

वर्तमान में प्रासंगिकता

इस शोध आलेख से सेवारत एवं प्रशिक्षणार्थी शिक्षक यह जान पायेगे कि व्यावसायिक अधिगम को किस प्रकार से अधिक प्रभावी तरीके से अधिगम कर सकेगे।

References

- Boston Consulting Group 2003, *Schools Workforce Development Strategy*, Department of Education & Training, Melbourne. http://www.det.vic.gov.au/det/resources/docs/BCGreport.doc
- Bransford, JD, Brown, AL & Cocking, R 2000, *How People Learn: Brain, Mind, Experience, and School*, Committee on Developments in the Science of Learning, National Research Council, National Academy Press, Washington DC.

- Darling-Hammond, L 2000, 'Teacher quality and student achievement: A review of state policy evidence', *Education Policy Analysis Archives*, vol. 8, no. 1, pp. 1–49.
- Department of Education & Training 2003, *Blueprint for Government Schools: Future Directions for Education in the Victorian Government SchoolSystem, Melbourne*. http://www.sofweb.vic.edu.au/blueprint/pdfs/Principles%20of%20effective%20PDfinal.pdf

**** Corresponding Author***

भीष्मराज, *शोधार्थी*

डॉ.अशोक सिवानी, *पी.एचडी. पर्यवेक्षक*

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर

Email- bhishmraj72@gmail.com, Mobile-9079351271